**(I)** उत्तरमाला

**1.**बच्चे की मुसकान **सरल, निश्छल, भोली और निष्काम** होती है। उसमे कोई स्वार्थ नहीं होता। वह सहज-स्वाभाविक होती है।

**2.नदियों का पानी, मनुष्य का परिश्रम, भूरी-काली संदली मिट्टी, सूर्य की किरणों तथा हवा का योगदान।**

**3.**भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारतीय गांवों में अत्यधिक खेती की जाती है इसलिए कृषि प्रधान देश में किसान की महत्वपूर्ण भूमिका है। किसान के अथक परिश्रम के साथ-साथ भारत की जलवायु ,मिट्टी का गुणधर्म, नदियों का पानी, सूरज की किरणें ये सब भी फसल उगाने मेंअपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत एक ऐसा देश है जिसमें विभिन्न प्रकार की ऋतुएँ विभिन्न प्रकार की फसल उगाने के में अपना सहयोग देती है।

**4.**कवि अपने आप को 'चिर प्रवासी' और 'अतिथि' कह रहा है, क्योंकि **वह अपनी घुमक्कड़ प्रवृति के कारण अधिकांश समय अपने घर से दूर रहा और बालक के लिए भी अपरिचित-सा हो गया।** कवि अतिथि की तरह बहुत दिनों के बाद घर लौटा है। अपनी इसी स्थिति के कारण वह अपने-आप को चिर प्रवासी तथा अतिथि कह रहा है।

**5.कवि शिशु को देखकर, उसकी दंतुरित मुसकान देखकर अत्यधिक खुश है और अपनी इस खुशी का कारण शिशु को बताते हुए कहता है कि यदि तुम्हारी माँ न होती तो तुम्हारा अस्तित्व न होता । न तो तुम मेरी खुशी का कारण बनते । इसलिए कवि ने शिशु और मां दोनों को धन्य कहा है**

**6.**शीर्षक कविता में कवि ने यह संदेश देना चाहा है कि **फसल के उत्पादन में प्राकृति तत्वों के साथ-साथ मानव के श्रम का भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण योयगदान होता है।** फसल उपजाने में किसी एक व्यक्ति, एक नदी या एक खेत की मिट्टी को श्रेय नहीं दिया जा सकता।

**7.परिचित को देखकर शिशु की प्रसन्नता, उत्सुकता, कौतुक आदि तथा अतिथि को देखकर डरना, रोना, मंद हँसी, कनखियों से देखना आदि भाव उत्पन्न होते हैं।**

**(II)**

पद परिचय

**i.**सर्वनाम,पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन

**ii.**संज्ञा, जातिवाचक,पुल्लिंग, एकवचन,कर्ता कारक

**iii.**अविकारी,संबंध बोधक, परसर्ग सहित

**iv.**विशेषण,गुणवाचक,एकवचन,
पुल्लिंग, धातु विशेष्य का विशेषण

**v.**क्रिया, सकर्मक, बहुवचन, पुल्लिंग, भूतकाल,कर्तृ वाच्य

**vi.**अविकारी विस्मयादिबोधक हर्ष सूचक

**vii.**सर्वनाम, अन्यपुरुषवाचक, पुल्लिंग,एकवचन,कर्ता कारक

**viii**विशेषण,संख्यावाचक,स्त्रीलिंग,एकवचन, कक्षा विशेष्य का विशेषण

**ix** क्रिया,सकर्मक,संयुक्त क्रिया भूतकाल ,कर्तृ वाच्य, बहुवचन पुल्लिंग

**x** संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एक वचन,कर्म कारक